



कनका श्रीनिवासन
अकादेमी पुरस्कार : भरतनाट्यम

1947 में चेन्नई में जन्मी श्रीमती कनका श्रीनिवासन को भरतनाट्यम की दीक्षा प्रख्यात गुरु वजुवूर रमैया पिल्लई से प्राप्त हुई। आप ने विष्णु वैचालकर से कथक और कलामण्डलम गोपालकृष्णन से मोहिनीआट्टम की शिक्षा भी प्राप्त की।

श्रीमती कनका श्रीनिवासन आज भरतनाट्यम की वजुवूर बानी की शीर्षस्थ प्रतिनिधि के रूप में बहुप्रशंसित हैं। आप अपने गरिमायम नृत्य और भावप्रवण अभिनय दोनों के लिए समान रूप से ख्यात हैं। संस्कृत और तमिल विद्वानों के साथ आपने प्राचीन मूल पाठों से उद्भूत नृत्य और कालिदास की रचनाओं पर आधारित नृत्य नाटिकाओं की संरचनाएं की हैं। श्रीमती कनका नृत्य गुरु के रूप में भी समादृत हैं और आपने अपने दिल्ली स्थित संस्थान में अनेक युवा नृत्यांगनाओं को प्रशिक्षित किया है।

अन्य पुरस्कारों के साथ श्रीमती कनका को श्रीकृष्ण गान सभा, चेन्नई द्वारा नृत्य चूडामणि की उपाधि और वहीं की म्यूजिक एकेडेमी द्वारा एम.जी.आर. पुरस्कार से विभूषित किया गया है। आपको 1996 में साहित्य कला परिषद, दिल्ली द्वारा परिषद सम्मान प्रदान किया गया।

श्रीमती कनका श्रीनिवासन को भरतनाट्यम में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

KANAKA SRINIVASAN

Akademi Award: Bharatanatyam

Born in 1947 in Chennai, Shrimati Kanaka Srinivasan was trained in Bharatanatyam by the renowned master Vazhuvoor Ramaiah Pillai. She also received lessons in Kathak dance from Vishnu Vaichalkar and in Mohiniattam from Kalamandalam Gopalakrishnan.

Shrimati Kanaka Srinivasan is widely known today as an outstanding representative of the Vazhuvoor bani of Bharatanatyam. She has been acclaimed as much for her graceful nritta as for her sensitive abhinaya. Together with Sanskrit and Tamil scholars, she has worked on ancient texts to create new dances in Bharatanatyam style, and has choreographed dance-dramas based on the works of Kalidasa. Shrimati Kanaka is also highly regarded as a teacher of dance, and has trained many young dancers in her institution in Delhi.

Among other honours, Shrimati Kanaka has received the title Nriyachoodamani from the Sri Krishna Gana Sabha, Chennai, and the MGR Award for best guru from the Music Academy of that city. The Parishad Samman of Sahitya Kala Parishad, Delhi, was conferred on her in 1996.

Shrimati Kanaka Srinivasan receives the Sangeet Natak Akademi Award for her contribution to Bharatanatyam.

